परिचय – श्रीमती तारिका वीरेन्द्रसिंह ठाकुर ...अध्यक्ष, सेवासदन शिक्षा समिति, बुरहानपुर

दिनांक 24 अक्टूबर 1962 को उत्तरप्रदेश के गोरखपुर में सम्पन्न एवं सुप्रतिष्ठित परिवार में आपका जन्म हुआ। आप बाल्यकाल से ही मेधावी रही है। पिता ठाकुर अमर सिंह एवं माता श्रीमती जयंती सिंह के समाजसेवी गुण आपके जीवन का अभिन्न अंग रहे है। आपकी प्रारंभिक शिक्षा उत्तरप्रदेश में हुई। आपने गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की।

आपका विवाह दिनांक 23 जनवरी 1987 को बुरहानपुर नगर के प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार में ठाकुर नवलसिंह जी के सुपुत्र ठाकुर वीरेन्द्रसिंह जी से हुआ। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि ठाकुर वीरेन्द्रसिंह जी की सफलता के पीछे श्रीमती तारिका सिंह जी की सतत् गतिशीलता रही है।

अपने सृजनशील विचारों को मूर्तरूप देने के लिए श्रीमती तारिका सिंह कृषि एवं सामाजिक सरोकारों से सदैव जुड़ी रही है। आपने जैविक खाद का उपयोग, जनजागरण के माध्यम से कॉलोनी में वाटर हारवेस्टींग सिस्टम ही नहीं बल्कि कई सफल प्रयोग किये।

आपकी कार्यशैली और योग्यता को देखते हुए नवलसिंह सहकारी शक्कर कारखाने में डेलीगेट एवं उसके माध्यम से एपेक्स बैंक भोपाल का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

वर्तमान में आप लायंस क्लब ट्रेस्ट के ट्रस्टी, लायंस क्लब बुरहानपुर, गायत्री परिवार बुरहानपुर, ब्रम्हकुमारीज आश्रम, आर्ट ऑफ लिविंग तथा राजपूत समाज के सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी भूमिकाओं को सफलतापूर्वक सम्पन्न कर रही है।

श्रीमान ठा. वीरेन्द्रसिंह जी के असामयिक निधन के उपरांत आपने बडे ही साहस का परिचय दिया एवं अपने मेहनत, लगन, वात्सल्य एवं आपके विचारों से निरंतर मानव कल्याण, निर्धन किसान, मजदूर, जरूरतमंदो की आर्थिक एवं चिकित्सकीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए आप सदैव तत्पर रहती है। आप बड़ी ही कुशलता से सेवासदन शिक्षा समिति द्वारा संचालित जीएनटी मांटेसरी एंड प्रायमरी स्कूल, सेवासदन हायर सेकेण्डरी स्कूल, सेवासदन महाविद्यालय, सेवासदन शिक्षा महाविद्यालय, सेवासदन विधि महाविद्यालय का संचालन कर रही है एवं आपके कुशल मार्गदर्शन में दो नये कोर्सेस बी.एस.सी. बायो एवं बी.एस.सी प्लेन प्रारंभ हुये है। साथ ही सत्र 2024–25 से सेवासदन प्रबंधन महाविद्यालय प्रारंभ कर बुरहानपुर को एम.बी.ए. की सौगात दी गई है। इन संस्थाओं के सफलतापूर्वक संचालन में आपकी सक्रिय भूमिका अतुलनीय है। बुरहानपुर विकास मंच द्वारा दिया गया ताप्ती अलंकरण पुरस्कार आपके सेवाभाव को रेखांकित करता है। स्व. ठा. वीरेन्द्रसिंह जी द्वारा प्रारंभ सेवासदन विधि महाविद्यालय के भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर उसमें उच्च स्तर का क्लास रूम, मुट कोर्ट, सेमिनार हॉल, लिफ्ट आदि सुविधाएं प्रारंभ कर दी गई है। इससे नए भवन में विद्यार्थी नई ऊर्जा से अध्यापन कर रहे है।

आगामी प्रोजेक्ट्स में पंचवर्षीय विधि पाठ्यक्रम, डिप्लोमा कोर्सेस, सिंथेटीक स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, शेडेड पार्किंग बनाना, रोजगारोन्मुखी नए पाठयक्रमों को प्रारंभ करना आदि कार्ययोजना सम्मिलित है।

.....000.....